Drishti IAS

करेंट अफेयर्स बिहार

जून 2023

(संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

बिहार **3**

- पटना के नये तारामंडल कक्ष में 200 लोग एक साथ बैठकर देख सकेंगे 3डी और 2डी शो 3
- पूर्णिया और दरभंगा एयरपोर्ट पर बनेंगे नये सिविल एन्क्लेव 4
- बिहार से राज्यस्तरीय विद्यालय जूडो अंडर-19 में 16 खिलाड़ियों का चयन 4
- बिहार में पहली बार पारा मेडिकल काउंसिल का होगा गठन 5
- छपरा की मोहिनी ने जीता स्टेट अंडर- 11 गर्ल्स चेस चैंपियनशिप का खिताब 5
- बीएसईबी ने लॉन्च किया मोबाइल एप 6
- मैथिली गायिका सोनी चौधरी को मिला 'बिहार रत्न सम्मान' 6
- विराट रामायण मंदिर में होगी विश्व के सबसे ऊँचे शिवलिंग की स्थापना 7
- मुजफ्फरपुर में बनेगा राज्य का अब तक का सबसे बड़ा ब्लड बैंक 9
- बिहार में जल्द लागू होगी नयी प्रदूषण नीति 9
- बिहार के दो बड़े अस्पताल बनेंगे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस 10
- लखीसराय में नदी से मिली दो हज़ार वर्ष पुरानी कुषाणकालीन मूर्ति 11
- NAAC में A++ ग्रेड लाकर CUSB ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाला बिहार का पहला विश्वविद्यालय बना 11
- बिहार कैबिनेट की बैठक में कुल 12 प्रस्तावों पर लगी मुहर 12
- पटना में एक साथ स्मार्ट सिटी की 10 नयी योजनाओं को मिली मंजूरी 13
- चौथे राष्ट्रीय जल पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ उद्योग श्रेणी में एनटीपीसी बरौनी को मिला शीर्ष पुरस्कार 14
- चतुर्थ राष्ट्रीय जल पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ राज्यों की श्रेणी में बिहार को मिला तृतीय पुरस्कार 16
- बिहार के रवि सिन्हा बने RAW के नए चीफ 17
- बिहार में 17491 सहकारी समितियाँ की गई समाप्त 18
- स्मिता कुमारी ने सेंटर स्प्लिट होल्डिंग (समकोणासन, योग) में बनाया नया वर्ल्ड रिकॉर्ड 18
- राष्ट्रपति ने बिहार की एएनएम गायत्री कुमारी को राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार प्रदान किया 19
- बिहार के 11 ज़िलों में खुलेंगे टॉपर्स फैक्ट्री सिमुलतला जैसे आवासीय स्कूल 20
- श्रम 20 शिखर सम्मेलन 21
- बिहार में बन रहा देश का दूसरा सबसे बड़ा हड्डी अस्पताल 22

नोट :

बिहार

पटना के नये तारामंडल कक्ष में 200 लोग एक साथ बैठकर देख सकेंगे 3डी और 2डी शो

चर्चा में क्यों ?

31 मई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार की राजधानी पटना के लोगों को जल्द ही तारामंडल के नये ऑडिटोरियम में 3डी स्क्रीन पर तारों की दुनिया को देखने और समझने का अवसर मिलेगा, जिसके अंतर्गत एक साथ 200 लोग बैठकर 3डी और 2डी शो देख सकेंगे।

प्रमुख बिंदु

- तारामंडल में अमेरिकन 3डी स्क्रीन और जर्मन 3डी प्रोजेक्टर को इंस्टॉल किया गया है। जून के तीसरे सप्ताह में दर्शकों के लिये शो संचालित किया जाएगा।
- विभाग की ओर से 3डी शो के लिये चार फिल्मों को सेलेक्ट किया गया है। इसके साथ ही 2डी की आठ फिल्मों का चयन किया गया है।
- तारामंडल में 3डी शो को देखने के लिये दर्शकों को करीब 700 रुपए मूल्य का एक्टिव 3डी ग्लास भी मुहैया कराया जाएगा। शो के बाद सभी दर्शकों को एक्टिव 3डी ग्लास को जमा करना होगा।
- तारामंडल में छह डिजिटल 3डी प्रोजेक्टर के माध्यम से दर्शकों को सौरमंडल पर बनी वर्ल्ड क्लास फिल्में दिखाई जाएंगी।
- फिलहाल तारामंडल में फ्लोर फैबरिकेशन और सीटिंग एरेंजमेंट का कार्य शुरू किया गया है। करीब 34 करोड़ रुपए की लागत से तारामंडल के आधुनिकीकरण का कार्य किया जा रहा है। तारामंडल में लेजर प्रोजेक्टर आरजीबी किरणों को कंप्यूटर के माध्यम से मिश्रित कर 3डी शो के लिये वास्तविक रंगों का निर्माण करेगा।
- इसके साथ ही दर्शकों के लिये 3डी साउंड सिस्टम को भी डेवलप किया गया है, जो दर्शकों को बैकग्राउंड आवाज के जरिये आकाशगंगा में पहुँचाने का एहसास कराएगा।
- इन चार 3डी फिल्मों का किया गया चयन:
    - एस्ट्रॉय मिशन: इसमें क्षुद्र ग्रह की बनावट और मानव जाति पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है, इसकी जानकारी दर्शकों को दी जाएगी।
    - वीआर स्टार्स: इसमें तारों का उद्भव और विकास की जानकारी देने के साथ ही दर्शकों को तारों के अंदरूनी स्ट्रक्चर के बारे में दिखाया जाएगा।
    - वॉयजर मिशन: इसमें वॉयजर मिशन के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही बृहस्पति और शनि ग्रह की रोमांचक तस्वीरों को दिखाया जाएगा।
    - स्पेस नेक्स्ट: इस फिल्म में स्पेस जर्नी के बारे में दर्शकों को विस्तार से बताया जाएगा।
- तारामंडल में चलने वाले 2डी और 3डी शो के लिये दर्शक घर बैठे टिकट बुक कर सकेंगे। तारामंडल प्रबंधन की ओर से दर्शकों के लिये ई-टिकट की सुविधा लोगों को प्रदान की जाएगी। ई-टिकट के अलावा मैनुअल टिकट की भी सुविधा दर्शकों को दी जाएंगी। एक दिन में दर्शकों के लिये कुल आठ शो चलाए जाएंगे। इनमें चार 2डी और चार 3डी शो चलाए जाएंगे।
- विभाग की ओर से टिकट का रेट भी निर्धारित किया गया है। 14 वर्ष तक के बच्चों के लिये 2डी शो का टिकट मूल्य 50 रुपए और 3डी शो के लिये 60 रुपए होगा। वहीं, 14 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिये 2डी शो का टिकट 80 रुपए और 3डी शो के लिये 100 रुपए होगा। इसके अलावा स्कूली बच्चों के ग्रुप के लिये 10 और 20 रुपए टिकट का शुल्क रखा जाएगा।

नोट :

पूर्णिया और दरभंगा एयरपोर्ट पर बनेंगे नये सिविल एन्क्लेव

चर्चा में क्यों?

30 मई, 2023 को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में दरभंगा और पूर्णिया में नये सिविल एन्क्लेव के निर्माण के लिये भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और बिहार सरकार के बीच MOU की स्वीकृति दी गई।

प्रमुख बिंदु

- मंत्रिपरिषद के इस निर्णय से अब राज्य के इन दोनों एयरपोर्टों पर नये टर्मिनल भवन के निर्माण का कार्य शुरू हो जाएगा।
- कैबिनेट के इस फैसले के बाद जहाँ दरभंगा एयरपोर्ट पर सुविधाओं का विस्तार होगा, वहीं पूर्णिया एयरपोर्ट से हवाई सेवा शुरू करने की बाधा अब दूर हो गई है।
- एमओयू में मुख्य रूप से इन बातों का जिक्र किया गया है कि राज्य सरकार एयरपोर्ट के लिये जो ज़मीन लेगी वह बगैर एंक्रोचमेंट के उपलब्ध कराएगी। फोरलाइन से सड़क मार्ग की कनेक्टिविटी देगी। बिजली और पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी।
- गौरतलब है कि 'उड़ान' योजना के तहत वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्णिया के चुनापुर एयरपोर्ट से सिविल एन्क्लेव बनाकर हवाई सेवा शुरू करने की घोषणा की थी।
- पूर्णिया में एयरपोर्ट के निर्माण से न सिर्फ सीमांचल और कोसी बल्कि आसपास के 10 ज़िलों के करोड़ों की आबादी को एयरपोर्ट का सीधा लाभ मिलेगा। फ्लाइट्स के लिये लोगों को बागडोगरा नहीं जाना होगा। एयरपोर्ट शुरू होने से ज़िले का विकास दोगुनी तेजी से होगा।

बिहार से राज्यस्तरीय विद्यालय जूडो अंडर-19 में 16 खिलाड़ियों का चयन

चर्चा में क्यों?

31 मई, 2023 को मुज़फ्फरपुर ज़िले के खेल पदाधिकारी मिथिलेश कुमार ने बताया कि बिहार कला संस्कृति व युवा विभाग और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना के संयुक्त तत्त्वावधान में मुज़फ्फरपुर ज़िले के सिकंदरपुर स्थित खेल भवन में राज्यस्तरीय विद्यालय जूडो अंडर-19 बालक व बालिका चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 16 (10 बालक व 6 बालिका) खिलाड़ियों का चयन हुआ।

प्रमुख बिंदु

- इस चयन प्रतियोगिता में बिहार के विभिन्न ज़िलों से 60 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। चयनित टीम में अधिक खिलाड़ी लखीसराय और बेगूसराय ज़िले के हैं।
- विदित है कि 6 से 12 जून तक स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) द्वारा नई दिल्ली व मध्य प्रदेश में राज्यस्तरीय विद्यालय जूडो अंडर-19 प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।
- चयनित खिलाड़ियों में बालक वर्ग में श्याम कुमार-बीपी इंटर स्कूल बेगूसराय, मो. अफजल-डीपीएस मझौल बेगूसराय, सौम्या कुमार-वाणिज्य इंटर कॉलेज मुज़फ्फरपुर, अजीत कुमार और रामजी-प्लस टू रा.उ.वि. बरहिया लखीसराय, अक्षत कुमार और ऋषभ सवर्ण-श्री रामवतार सिंह सी.से. स्कूल लखीसराय, शिवांशु सुमन-संत पॉल स्कूल बेगूसराय, नीतिन राज और अभिनंदन कुमार-सीएस डीएवी पब्लिक स्कूल मोतिहारी शामिल हैं।
- वहीं बालिका वर्ग में चयनित खिलाड़ियों में लक्ष्मी कुमारी एच.एस. गौरीपुर लत्तीपुर भागलपुर, अंशिका कुमारी जीबीओ प्लस टू उ.वि. बंसवार बक्सर, प्रियांशु कुमारी जे.डी. वीमेंस कॉलेज पटना, मुस्कान कुमारी महिला कॉलेज खगौल पटना, मानसी कुमारी प्लस टू रा.उ.वि. बरहिया लखीसराय, नजराना नाज उर्दू गर्ल्स हाईस्कूल असानंदरपुर भागलपुर शामिल हैं।

बिहार में पहली बार पारा मेडिकल काउंसिल का होगा गठन

चर्चा में क्यों ?

1 जून, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार के स्वास्थ्य क्षेत्र में कर्मचारियों की मांगों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने राज्य में पहली बार पारा मेडिकल काउंसिल के गठन का फैसला लिया है।

प्रमुख बिंदु

- राज्य में अभी तक कई ऐसी संस्थाएँ हैं, जिनमें स्वास्थ्य कर्मियों का सही डाटा ही उपलब्ध नहीं है। साथ ही वैसे कर्मियों का निबंधन भी नहीं हो रहा है। इसी कमी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने पारा मेडिकल काउंसिल के गठन का फैसला लिया है।
- इस काउंसिल में अध्यक्ष सहित 10 सदस्य होंगे। साथ ही, विभाग द्वारा पारा मेडिकल नियमावली भी तैयार की जा रही है।
- स्वास्थ्य विभाग के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार अभी तक राज्य में एक्स-रे तकनीशियन, रेडियोलॉजी असिस्टेंट, डेंटल असिस्टेंट, मेडिकल लैबोरेट्री असिस्टेंट, ऑफ्थैल्मिक असिस्टेंट, ऑपरेशन थियेटर असिस्टेंट, सीटी स्कैन तकनीशियन, इसीजी असिस्टेंट, इसीजी तकनीशियन, डायलिसिस टेक्निशियन, एमआरआई टेक्निशियन, मेडिकल लैबोरेट्री टेक्नोलॉजिस्ट, ऑकुपेशनल थिरेपी, स्पीच थिरेपी, ड्रेसर, ऑडियोलॉजी असिस्टेंट जैसे तकनीकी शिक्षा प्राप्त विद्यार्थियों के निबंधन के लिये कोई वैधानिक संस्था नहीं है।
- ऐसे में बिना रजिस्ट्रेशन सरकार के पास यह सूचना ही नहीं है कि राज्य में किस क्षेत्र में कितने विद्यार्थियों के पास क्या डिग्री है।
- निबंधन के समय ही पारा मेडिकल करने वाले विद्यार्थियों के वैध प्रमाणपत्रों की जाँच भी हो जाएगी। इससे फर्जी डिग्री लेने वाले भी पकड़ में आ जाएंगे।
- सूत्रों के मुताबिक नर्सिंग काउंसिल, फार्मेसी काउंसिल व मेडिकल काउंसिल के जैसे ही पारा मेडिकल काउंसिल का गठन किया जा रहा है। विभाग में इस काउंसिल के गठन की तैयारी पूरी की जा चुका है। जल्द ही इसे कैबिनेट की स्वीकृति मिल जाएगी।

छपरा की मोहिनी ने जीता स्टेट अंडर- 11 गर्ल्स चेस चैंपियनशिप का खिताब

चर्चा में क्यों ?

1 जून, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार शतरंज संघ की ओर से सीवान में आयोजित स्टेट अंडर-11 गर्ल्स चेस चैंपियनशिप का खिताब सारण जिले के छपरा की रहने वाली मोहिनी ने जीता है।

प्रमुख बिंदु

- इस चैंपियनशिप में मोहिनी ने चार जीत दर्ज की है। वहीं, एक मात्र गेम वर्तमान राष्ट्रीय स्कूल अंडर-7 चैंपियन अंकित राज के साथ ड्रा हुआ।

नोट :

- स्टेट अंडर-11 गर्ल्स चैंपियनशिप में मोहिनी ने 4.5 अंक हासिल कर खिताब जीता है। इसके बाद वह राष्ट्रीय अंडर-11 प्रतियोगिता में बिहार का प्रतिनिधित्व करने जा रही है।
- विदित है कि शतरंज में मोहिनी हमेशा से ही अच्छी खिलाड़ी रही है, उसकी हमेशा से शतरंज के खेल में रुचि रही है। इसमें वह अच्छा प्रदर्शन भी कर रही है।

बीएसईबी ने लॉन्च किया मोबाइल एप

चर्चा में क्यों ?

4 जून, 2023 को बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष आनंद किशोर ने बताया कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने छात्रों व शिक्षकों के लिये 'बीएसईबी मोबाइल एप' लांच किया है।

प्रमुख बिंदु

- इस एप पर स्टूडेंट्स को पढ़ाई व परीक्षा से जुड़ी सभी जानकारी मिलेगी। मैट्रिक व इंटरमीडिएट के स्टूडेंट्स सभी जरूरी जानकारी इस एप की मदद से ले सकते हैं।
- 'बीएसईबी मोबाइल एप' के माध्यम से मैट्रिक व इंटर के लाखों परीक्षार्थी अपना फाइनल एडमिट कार्ड, डमी एडमिट कार्ड, रजिस्ट्रेशन कार्ड, ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म के साथ अन्य जानकारी यहाँ देख सकते हैं।
- इसके साथ ही इस एप के माध्यम से सभी शिक्षक, जो बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की परीक्षाओं में मूल्यांकन कार्य करते हैं, उन्हें भी मोबाइल एप के माध्यम से उनका ज्वाइनिंग लेटर आदि सभी जानकारी उपलब्ध करायी जाएगी।
- बीएसईबी के अध्यक्ष आनंद किशोर ने बताया कि एप का उपयोग शुरू हो गया है और सभी स्टूडेंट्स को यूनिक आईडी नंबर दे दिया गया है।
- यूनिक आईडी से स्टूडेंट्स की पहचान हो जाएगी। स्टूडेंट्स एप पर अपना सर्टिफिकेट व अन्य कागज़ात भी देख सकते हैं। उसका प्रिंट भी ले सकते हैं। डमी एडमिट कार्ड से लेकर सर्टिफिकेट तक एप पर ही मिलेगी।

मैथिली गायिका सोनी चौधरी को मिला 'बिहार रत्न सम्मान'

चर्चा में क्यों ?

3 जून, 2023 को बिहार की राष्ट्रीय युवा कल्याण परिषद के अध्यक्ष विश्वमोहन चौधरी ने पटना में आयोजित सम्मान समारोह में राज्य के दरभंगा ज़िले की कवयित्री और मैथिली लोक गायिका सोनी चौधरी को बेहतर गायिकी के लिये 'बिहार रत्न सम्मान' से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- बेहतर गायिकी के लिये सोनी चौधरी को इससे पूर्व आकलन एवं कार्य निष्पादन मूल्यांकन परिषद, नयी दिल्ली द्वारा 'संगीत रत्न सम्मान 2022' व दतिया गुरुकुल (मध्य प्रदेश) द्वारा 'सुर मधुकर सम्मान' से नवाज़ा जा चुका है।
- इनके अलावा सोनी चौधरी को तिलकामांझी विश्वविद्यालय, भागलपुर द्वारा 'तिलकामांझी राष्ट्रीय सम्मान', मिथिला शिक्षा मंच, समस्तीपुर द्वारा 'स्वामी विवेकानंद युवा सम्मान', बिहार शिक्षा एवं सांस्कृतिक विकास परिषद, पटना द्वारा 'बिहार सम्मान', महिनाथपुर की संस्था द्वारा 'संत शिरोमणि लक्ष्मीनाथ गोसाई सम्मान' आदि से भी सम्मानित किया जा चुका है।
- सम्मान मिलने के बाद सोनी चौधरी ने बताया कि यह सम्मान उनके संस्कार में रची- बसी मातृभाषा मैथिली और पारंपरिक लोकगीतों के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति उत्साह बढ़ाने का काम करेगा।

विराट रामायण मंदिर में होगी विश्व के सबसे ऊँचे शिवलिंग की स्थापना

चर्चा में क्यों ?

6 जून, 2023 को बिहार के महावीर मंदिर पटना के सचिव आचार्य किशोर कुणाल ने बताया कि राज्य के पूर्वी चंपारण ज़िले के केसरिया चकिया पथ पर कैथवलिया-बहुआरा में विराट रामायण मंदिर का निर्माण कार्य जल्दी ही प्रारंभ हो जाएगा। यह मंदिर न केवल विश्व का सबसे ऊँचा मंदिर होगा, बल्कि इस मंदिर में विश्व का सबसे ऊँचा शिवलिंग भी स्थापित होगा।

प्रमुख बिंदु

- महावीर मंदिर पटना के सचिव ने कहा कि वर्ष 2025 के सावन महीने तक इस मंदिर में विश्व के सबसे बड़े शिवलिंग की स्थापना हो जाएगी। महाबलिपुरम में 250 टन वजन के ब्लैक ग्रेनाइट पत्थर की चट्टान को तराश कर मुख्य शिवलिंग के साथ सहस्रलिंगम भी बनाया जा रहा है।
- शिवलिंग का वजन 200 टन, ऊँचाई 33 फीट और गोलाई 33 फीट होगी। विदित है कि आठवीं शताब्दी के बाद सहस्रलिंगम का निर्माण भारत में नहीं हुआ है।
- राज्य में बनने वाला विराट रामायण मंदिर तीन मंज़िला होगा। मंदिर में प्रवेश के बाद प्रथम पूज्य विघ्नहर्त्ता भगवान गणेश के दर्शन होंगे। विराट रामायण मंदिर में शैव और वैष्णव देवी-देवताओं के कुल 22 मंदिर होंगे।
- मंदिर निर्माण के लिये 120 एकड़ जमीन उपलब्ध है। इस मंदिर वाले जगह को जानकी नगर के रूप में विकसित किया जाएगा तथा वहाँ कई आश्रम, गुरुकुल, धर्मशाला आदि होंगे।
- विराट रामायण मंदिर निर्माण की पाइलिंग कराने का काम सनटेक इंफ्रा सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है, जो पटना मेट्रो के पाइलिंग का काम कर रहे हैं।

निर्माणाधीन
विराट् रामायण मन्दिर
(दिव्य, भव्य, रम्य)
महावीर मन्दिर, पटना की महत्त्वाकांक्षी परियोजना

नोट :

मुजफ्फरपुर में बनेगा राज्य का अब तक का सबसे बड़ा ब्लड बैंक

चर्चा में क्यों ?

7 जून, 2023 को बिहार के मुजफ्फरपुर ज़िले के रेडक्रॉस सचिव उदय शंकर प्रसाद सिंह ने बताया कि मुजफ्फरपुर ज़िले के कंपनीबाग स्थित रेडक्रॉस में तीन करोड़ की लागत से ब्लड बैंक बनेगा, जो बिहार में अब तक का सबसे बड़ा ब्लड बैंक होगा।

प्रमुख बिंदु

- कंपनीबाग रेडक्रॉस में बनने वाला यह ब्लड बैंक अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इसके लिये मशीनों की खरीद हो चुकी है। यहाँ ब्लड सेपरेशन की मशीन भी लगेगी, जिससे लाल रक्त कण वाले ब्लड नहीं होने की परेशानी दूर हो जाएगी।
- वर्तमान में श्री कृष्णा मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (एसकेएमसीएच) में ही ब्लड सेपरेशन की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन ब्लड सेपरेशन कम होने के कारण मरीजों की जान बचाना मुश्किल हो जाता है।
- मुजफ्फरपुर ज़िले में इस ब्लड बैंक के बनने से एसकेएमसीएच पर से भी मरीजों की निर्भरता काफी हद तक कम हो जाएगी।
- विदित है कि यह ब्लड बैंक रेडक्रॉस के ग्राउंड फ्लोर पर चलेगा, जिसमें 24 घंटे मरीजों के लिये ब्लड की सुविधा उपलब्ध रहेगी। मरीज ज़रूरत के अनुसार कभी भी ब्लड बैंक से सेवा का लाभ ले सकेंगे।
- रेडक्रॉस के सचिव ने कहा कि यह ब्लड बैंक उत्तर बिहार के मरीजों के लिये वरदान साबित होगा। ब्लड सेपरेशन की अत्याधुनिक मशीनों से तुरंत ही होल ब्लड के एक यूनिट रक्त से लाल रक्त कण का तीन यूनिट ब्लड तैयार किया जाएगा। इससे डेंगू मरीज, एनीमिया, ब्लड कैंसर और थैलीसिमिया के मरीजों को रक्त की दिक्कत नहीं होगी।
- उन्होंने बताया कि राज्य के मोतीपुर में भी रेडक्रॉस मैटरनिटी सेंटर का निर्माण कर रहा है। इससे वहाँ की गर्भवती महिलाओं को स्पेशलिटी हॉस्पिटल जाने की ज़रूरत नहीं होगी। सेंटर की सारी व्यवस्था रेडक्रॉस करेगा।

बिहार में जल्द लागू होगी नयी प्रदूषण नीति

चर्चा में क्यों ?

7 जून, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार में अगले करीब 40 साल में कार्बन उत्सर्जन को शून्य करने हेतु राज्य में नई प्रदूषण नीति लागू की जाएगी, जिसका उद्देश्य पर्यावरण को बेहतर करना है।

प्रमुख बिंदु

- नई प्रदूषण नीति को अगले चार-पाँच महीनों में राज्य में लागू करने की संभावना है। भले ही यह आम आदमी की समझ में आसानी से आए या नहीं आए, लेकिन इसका मकसद आम और खास सहित राज्य, देश और दुनिया को फायदा पहुँचाना है। इसका फायदा मानव सहित पशु, पक्षियों और प्राकृतिक घटकों को भी होगा।
- इस नीति के लागू होने से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट जल-जीवन-हरियाली अभियान की सफलता में भी मदद मिलेगी।
- सूत्रों के अनुसार नई प्रदूषण नीति के लिये यूनाइटेड नेशंस इनवायरमेंट प्रोग्राम (यूएनइपी) सहित उसकी सहयोगी संस्थाओं के द्वारा एक स्टडी की जा रही है। इसकी रिपोर्ट अगले कुछ दिनों में आने की संभावना है। इस रिपोर्ट के आधार पर नई नीति का मसौदा तैयार कर राज्य मंत्रिपरिषद की मंजूरी के बाद इसे लागू किया जाएगा।
- राज्य में लागू होने वाली इस नयी नीति में अगले 30-40 साल के लिये एक कार्ययोजना बनाई जाएगी। इस कार्ययोजना में प्रत्येक साल में किये जाने वाले काम तय होंगे। इस तरह हर साल काम करके अगले 30-40 साल में राज्य में कार्बन का उत्सर्जन शून्य करने के लक्ष्य पर काम किया जाएगा।
- कार्ययोजना में मुख्य रूप से शामिल किये जाने वाले विषय राज्य में बिजली उत्पादन या खरीद, उद्योग, परिवहन, आम लोगों द्वारा उपभोग की जाने वाली चीजें, खाना-पीना, खरीदारी जीवनशैली आदि में बदलाव होंगे।
- पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रधान सचिव अरविंद चौधरी ने बताया कि लो कार्बन एमिसन को लेकर ब्लू प्रिंट तैयार होगा। इसमें प्रत्येक साल की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

नोट :

- नीति के तहत तय किया जाएगा कि राज्य में ऊर्जा की खरीद में कितना रिन्यूएबल एनर्जी का हिस्सा होगा। पेट्रोल और डीजल गाड़ियों की जगह इलेक्ट्रिक और सीएनजी चालित वाहनों को किस तरह लाया जाएगा। इसके लिये प्रोत्साहित करने के लिये प्राइवेट पार्टी को किस तरह का इंसेंटिव दिया जाएगा।

बिहार के दो बड़े अस्पताल बनेंगे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

चर्चा में क्यों?

9 जून, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार सरकार प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना फेज चार के तहत राज्य के दो प्रमुख मेडिकल कालेज अस्पतालों का अपग्रेडेशन करा रही है, जिन्हें सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- इन दोनों मेडिकल कॉलेजों के अपग्रेडेशन के लिये 59 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। इस राशि से अस्पताल में नए ब्लॉक के निर्माण के साथ ही कई अन्य कार्य किये जाएंगे।
- जिन कॉलेजों का अपग्रेडेशन किया जा रहा है, उनमें पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (PMCH) के लिये 29.24 करोड़ रुपए, जबकि भागलपुर के जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल (JLNMCH) के लिये 30 करोड़ रुपए स्वीकृत किये गए हैं।
- प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना फेज-4 के तहत दोनों मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में गंभीर किस्म की बीमारियों के इलाज की व्यवस्था होगी। इन अस्पतालों में स्थापित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अंकोलाजी, नेफ्रोलाजी, इंडोक्रायनोलाजी, कार्डियोलाजी, न्यूरोलाजी एवं न्यूरो सर्जरी संबंधी बीमारियों का इलाज और ऑपरेशन किया जाएगा।
- प्रत्येक मेडिकल कॉलेज अस्पताल में नये सेंटर विकसित करने के लिये 200-200 करोड़ की राशि खर्च होनी है। इसमें 60 प्रतिशत राशि का वहन केंद्र सरकार करेगी, जबकि 40 प्रतिशत का वहन राज्य सरकार को करना है।

लखीसराय में नदी से मिली दो हज़ार वर्ष पुरानी कुषाणकालीन मूर्ति

चर्चा में क्यों ?

12 जून, 2023 को बिहार के लखीसराय ज़िले के डीएम अमरेंद्र कुमार ने बताया कि ज़िले के चानन प्रखंड के किऊल नदी पर स्थित रामपुर बालू घाट पर खुदाई के दौरान अष्टधातु की कुषाणकालीन पुरातात्त्विक महत्त्व की बेशकीमती मूर्ति मिली है।

प्रमुख बिंदु

- रामपुर बालू घाट से मूर्ति मिलने की सूचना विश्वभारती शांतिनिकेतन विश्वविद्यालय पश्चिम बंगाल के प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार के द्वारा दी गई। पुरातत्त्वविदों के मुताबिक यह प्रतिमा दो हजार वर्ष पुरानी कुषाणकालीन है।
- ज़िलाधिकारी ने बताया कि ज़िले के अशोक धाम मोड़ पर उद्घाटित संग्रहालय अभी मूर्तियों के रखरखाव के लिये पूर्ण रूप से तैयार नहीं है, जिस वजह से मूर्ति को ज़िला मुख्यालय स्थित अस्थायी संग्रहालय में रखा गया है।
- पटना के क्यूरेटर से मिली जानकारी के अनुसार चानन के रामपुर में मिली मूर्ति कुषाण काल शाल भंजिका मोक्ष देवी की है तथा दो हजार वर्ष पुरानी है। इस मूर्ति को बौद्धों से संबंधित लोक देवी कहा जा रहा है।
- क्यूरेटर के अनुसार पहली शताब्दी में महाराष्ट्र में इस तरह की लाल बलुआही पत्थरों से प्रतिमाएँ बनायी जाती थी, जिसे बौद्ध धर्म के अनुयायियों के द्वारा लाई गई होगी। यह लाल पत्थर की मथुरा आर्ट का नमूना है।
- संग्रहालयाध्यक्ष ने बताया कि बुद्ध जन्म दृश्य से संबंधित मूर्ति में भी माया देवी को शाल वृक्ष को पकड़ते हुए दिखाया गया है, लेकिन उसमें बुद्ध की छोटी मूर्ति भी बनी रहती है। इसमें वैसी कोई मूर्ति नहीं है, इसलिये इस मूर्ति को लोकदेवी ही मानना उचित होगा।
- डीएम ने बताया कि इसके अलावा रामपुर बालू घाट के पास ही नोनगढ़ गाँव में कुषाण काल की कई मूर्तियाँ ग्रामीणों के द्वारा रखी गई है, जिसकी जाँच भी कराई जाएगी।

NAAC में A++ ग्रेड लाकर CUSB ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाला बिहार का पहला विश्वविद्यालय बना

चर्चा में क्यों ?

11 जून, 2023 को बिहार के गया स्थित राज्य के प्रथम प्रतिष्ठित सेंट्रल यूनिवर्सिटी दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के

जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) मो. मुदस्सीर आलम ने बताया कि सीयूएसबी ने अपने नाम अब तक की सबसे बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए 3.58 ग्रेड पॉइंट के साथ राष्ट्रीय मूल्यांकन व प्रत्यायन परिषद् (नैक) से 'ए प्लस प्लस' ग्रेड प्राप्त किया है।

प्रमुख बिंदु

- पीआरओ मो. मुदस्सीर आलम ने बताया कि सीयूएसबी 'ए प्लस प्लस' ग्रेड प्राप्त कर देश के चुनिंदा राष्ट्रीय उच्च शिक्षा संस्थानों के विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है। इस उपलब्धि के साथ सीयूएसबी नैक प्रदत्त 'ए प्लस प्लस' की श्रेणी प्राप्त करने वाला बिहार का पहला विश्वविद्यालय भी बन गया है।
- गौरतलब है कि सीयूएसबी ने वर्ष 2016 में नैक द्वारा मूल्यांकन व प्रमाणन के प्रथम चरण में 'ए प्लस प्लस' ग्रेड प्राप्त किया था। इसके बाद पाँच वर्ष पूरा होने पर पुन: विश्वविद्यालय ने 2022 में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के नेतृत्व व मार्गदर्शन में नैक मूल्यांकन और प्रमाणन के द्वितीय चरण के लिये आवेदन किया था।
- कई महीनों तक चले बहुस्तरीय मूल्यांकन व पिछले महीने 17 से 19 मई के बीच नैक टीम के विश्वविद्यालय परिसर व संसाधनों के भौतिक निरीक्षण के बाद नैक ने विश्वविद्यालय को ए प्लस प्लस की उच्चतम श्रेणी प्रदान किया है। इस उपलब्धि को प्राप्त कर विश्वविद्यालय देश के सर्वाधिक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में शामिल हो गया है।

बिहार कैबिनेट की बैठक में कुल 12 प्रस्तावों पर लगी मुहर

चर्चा में क्यों?

13 जून, 2023 को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में राज्य कैबिनेट की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 12 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई।

प्रमुख बिंदु

- बैठक में मुख्यमंत्री ने विधायकों-विधान पार्षदों को हर साल मिलने वाले फंड में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। अब विधायक और एमएलसी चार करोड़ रुपए तक की योजनाओं की अनुशंसा कर सकेंगे।
    - विदित है कि अभी तक बिहार में विधायक-विधान पार्षद तीन करोड़ रुपए तक की योजनाओं की अनुशंसा कर सकते थे।

- मुख्यमंत्री ने कैबिनेट की बैठक में दक्षिण और उत्तर बिहार के कुल 61 सड़कों के निर्माण के लिये 234 करोड़ 30 लाख रुपए की मंजूरी दी है।
- राज्य के दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (DMCH) को 2500 बेड बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है।
    - ज्ञातव्य है कि यहाँ पहले से ही चार सौ बेड के सर्जिकल वार्ड का निर्माण किया जा रहा है।
- इसके अलावा अब 2100 बेड के भवन का निर्माण किया जाएगा। इसके लिये राज्य सरकार के द्वारा 2546 करोड़ 41 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है।
- कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री के सात निश्चय के आत्मनिर्भर बिहार के अंतर्गत दरभंगा और छपरा में स्टॉर्म ड्रेनेज सिस्टम बनाने का काम किया जाएगा। इससे शहर में लोगों को जलजमाव से मुक्ति मिलेगी।
- इसके साथ ही राज्य के दो जिलों में आरओबी निर्माण को भी राज्य सरकार द्वारा मंजूरी दी गई है।
- कैबिनेट की बैठक में कृषि उपकरण बैंक स्थापित करने का फैसला लिया गया है। इससे मध्य और गरीब किसानों को कृषि उपकरण खरीदने में मदद मिलेगी।

पटना में एक साथ स्मार्ट सिटी की 10 नयी योजनाओं को मिली मंजूरी

चर्चा में क्यों?

13 जून, 2023 को नगर विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव सह पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड के चेयरमैन अरुनीष चावला की अध्यक्षता में हुई पटना स्मार्ट सिटी की 26वीं निदेशक मंडल की बैठक में पटना स्मार्ट सिटी की 10 नयी योजनाओं को मंजूरी दी गई।

प्रमुख बिंदु

- नगर आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर ने बताया कि एबीडी एरिया में आने वाले पुलों और फ्लाइओवर के नीचे आने वाले क्षेत्र का गैबियन और ग्रीन बेल्ट का विकास किये जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस कार्य को वन विभाग के द्वारा कराया जाएगा।
- बैठक में पटना स्मार्ट सिटी को सेल्फ सस्टेनेबल बनाने के लिये आईसीसीसी के विभिन्न कंपोनेंट्स का रेवेन्यू मॉडल बनाने के लिये प्रस्तावित आरएफपी और एनआईटी को प्रकशित करने की स्वीकृति दी गई। आईसीसीसी के कंपोनेंट्स जैसे वैरिएबल मैसेज डिस्प्ले (वीएमडी), पीएएस (पब्लिक एड्रेसल सिस्टम) ओएफसी को रेवेन्यू मॉडल के अनुरूप दिये जाने को मंजूरी मिली है।

- द्वितीय गंगा रिवर बेसिन प्रोजेक्ट के तहत मिले परफॉर्मेंस बेस्ड इंसेंटिव से ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन के ऑटोमेशन को मंजूरी मिली और पंपिंग स्टेशन के आईसीसीसी से एकीकृत किये के जाने के प्रस्ताव पर मंजूरी दी गई।
- स्मार्ट सिटी की इन 10 नयी योजनाओं को मिली मंजूरी–
  - मीठापुर इलाके में कॉमन फैसिलिटी का विकास
  - पटना स्मार्ट सिटी के एबीडी क्षेत्र की ड्रोन टेक्नोलॉजी माध्यम से थ्री डी मैपिंग कर आइट्रिपलसी से एकीकरण
  - पटना जंक्शन के समीप शहरी यातायात को ट्रैफिक इंजीनियरिंग से सुविधायुत्त सुगम बनाना
  - पटना जंक्शन के समीप बन रहे मल्टी मॉडल हब के लिये 30 इ-बस/सीएनजी बस का क्रय
  - घर-घर कचरा उठाव के लिये आवश्यकतानुसार सीएनजी वाहनों का क्रय
  - पटना शहर के स्ट्रीट लाइट के स्वचालन के लिये उसका आईट्रिपलसी से एकीकरण
  - मल्टी मॉडल हब, मौर्या लोक एवं अन्य स्थानों के लिये थ्रीडी एलइडी डिस्प्ले का अधिष्ठापन
  - पटना स्मार्ट सिटी के एबीडी में आने वाले फ्लाईओवर का सौंदर्यीकरण एवं इल्लुमिनेशन
  - मौर्यालोक परिसर का पब्लिक हैप्पनिंग प्लेस की तर्ज पर पुनर्विकास
  - गंगा पथ पर स्ट्रीट वेंडिंग ज़ोन एवं उससे जुड़ी सुविधाओं का विकास

चौथे राष्ट्रीय जल पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ उद्योग श्रेणी में एनटीपीसी बरौनी को मिला शीर्ष पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

17 जून, 2023 को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के चौथे राष्ट्रीय जल पुरस्कार समारोह में एनटीपीसी बरौनी को सर्वश्रेष्ठ उद्योग श्रेणी में शीर्ष पुरस्कार प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में एनटीपीसी के सीएमडी गुरदीप सिंह और एनटीपीसी बरौनी के परियोजना प्रमुख राजीव खन्ना को यह पुरस्कार प्रदान किया।
- यह देश का चौथा राष्ट्रीय जल पुरस्कार-2022 है। कार्यक्रम में 11 विभिन्न श्रेणी में 41 विजेताओं को सम्मानित किया गया।
- एनटीपीसी ने पर्यावरण को संरक्षित करने के लिये निरंतर और समर्पित प्रयास किये हैं तथा इन प्रयासों ने इसकी सफलता में एक प्रमुख भूमिका निभाई है।
- एनटीपीसी ने जल संसाधनों के संरक्षण और प्रभावी प्रबंधन के लिये कई नवीन पहलों को लागू किया है। एनटीपीसी की कोशिशों से न केवल पानी की बचत हुई है, बल्कि इससे पर्यावरणीय प्रभावों में भी कमी आई है।

चतुर्थ राष्ट्रीय जल पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ राज्यों की श्रेणी में बिहार को मिला तृतीय पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

17 जून, 2023 को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के चौथे राष्ट्रीय जल पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ राज्यों की श्रेणी में बिहार को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में बिहार के ग्रामीण विकास विभाग के सचिव डॉ. एन. सरवण कुमार तथा जल जीवन हरियाली मिशन के मिशन निदेशक राहुल कुमार को यह पुरस्कार प्रदान किया।
- जल जीवन हरियाली मिशन के मिशन निदेशक राहुल कुमार ने बताया कि जल जीवन हरियाली अभियान की प्रशंसा आज देश-दुनिया के कई मंचों से हो रही है। पर्यावरण संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को लक्षित ऐसा राज्यव्यापी अभियान चलाने वाला बिहार देश का पहला राज्य है। भारत सरकार के केंद्रीय भूमि जल बोर्ड ने भी अपनी रिपोर्ट में इस अभियान की सराहना करते हुए राज्य के भू-गर्भ जल में बढ़ोतरी प्रतिवेदित किया है।
- उन्होंने बताया कि साढ़े तीन वर्षों की संचालन अवधि में जल जीवन हरियाली अभियान अंतर्गत लगभग तीस हज़ार सार्वजनिक तालाबों, पोखरों, आहरों, पईनों एवं कुँओं को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। अस्सी हज़ार से अधिक सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं का जीर्णोद्धार कराया गया है।
- भू-गर्भ जल के स्तर में अभिवृद्धि के उद्देश्य से राज्य भर में सार्वजनिक कुँओं एवं चापाकलों के किनारे लगभग डेढ़ लाख सोख्ता का निर्माण कराया गया है। छोटी-छोटी नदियों, नालों एवं पहाड़ी क्षेत्रों के जल संग्रहण क्षेत्रों में लगभग दस हज़ार चेक डैम एवं जल संचयन की अन्य संरचनाओं का निर्माण कराया गया है।
- लगभग पैंतीस हज़ार नए जल स्रोत सृजित किये गए हैं। साढ़े तेरह हज़ार सार्वजनिक भवनों पर छत वर्षा जल संचयन का कार्य कराया गया है। अभियान के अंतर्गत कृषि कार्यों में सूक्ष्म सिंचाई पद्धति पर भी बल दिया जा रहा है।
- विदित है कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा 2 अक्टूबर, 2019 को जल जीवन हरियाली अभियान की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करना तथा पर्यावरण संरक्षण है।
- इस अभियान के अंतर्गत राज्य भर में 11 चिह्नित अवयवों का क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिसमें सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त कराना, उनका जीर्णोद्धार, छत वर्षा जल संचयन, व्यापक स्तर पर सोख्ता निर्माण, नए जल स्रोतों का सृजन तथा सूक्ष्म सिंचाई जैसे कार्य सम्मिलित हैं।
- राज्य के 15 विभागों के समन्वय से संचालित इस अभियान का का अनुश्रवण ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत जल-जीवन- हरियाली मिशन के स्तर से किया जा रहा है।

नोट :

बिहार के रवि सिन्हा बने RAW के नए चीफ

चर्चा में क्यों ?

19 जून, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार के भोजपुर के रहने वाले वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और मंत्रिमंडल सचिवालय में विशेष सचिव के रूप में कार्यरत् रवि सिन्हा को भारत की खुफिया एजेंसी 'रॉ' (RAW) का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि रवि सिन्हा ने दिल्ली के सेंट स्टीफेंस कॉलेज से पढ़ाई की और 1988 में यूपीएससी की परीक्षा पास की। उन्होंने यूपीएससी के तहत मध्य प्रदेश के अधिकारी के रूप में सेवा की शुरुआत की तथा वर्ष 2000 में अलग राज्य बनने पर उन्हें छत्तीसगढ़ कैडर मिला।
- 'ऑपरेशन मैन' के नाम से मशहूर 59 वर्षीय रवि सिन्हा लंबे समय से इस प्रतिष्ठित खुफिया एजेंसी से जुड़े रहे हैं। वह वर्तमान में रॉ में 'सेकेंड इन कमांड' हैं। अपनी पदोन्नति से पहले वह रॉ की ऑपरेशनल डिवीजन का नेतृत्व कर रहे थे। सूचनाएँ व जानकारियाँ जुटाने में उन्हें आधुनिक तकनीक को अपनाने का श्रेय दिया जाता है।
- रवि सिन्हा की अपनी पेशेवर क्षमता के लिये सभी जासूसी समुदाय में विशेष पहचान है। उन्होंने कई क्षेत्रों में काम किया है। माना जा रहा है कि अपनी नई भूमिका में अनुभव व ज्ञान का जखीरा लेकर वह फील्ड में उतरेंगे।
- रवि सिन्हा को जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर और वामपंथी उग्रवादी क्षेत्रों के अलावा पड़ोस के घटनाक्रमों पर अच्छी पकड़ के लिये जाना जाता है, जहाँ उन्होंने समय के साथ अलग-अलग बिंदुओं पर काम किया है, जो उन्हें वर्तमान समय की चुनौतियों का समाधान करने के लिये एक साथ तकनीकी और मानव बुद्धि आयामों को एकीकृत करने में सक्षम बनाता है।
- पड़ोसी देशों के मामलों के विशेषज्ञ माने जाने वाले रवि सिन्हा की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब पाकिस्तान राजनीतिक व आर्थिक रूप से उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है। कुछ देशों से सिख चरमपंथ को हवा देने की कोशिश की जा रही है और पूर्वोतर में हिंसा को बढ़ावा दिये जाने का प्रयास हो रहा है।
- ज्ञातव्य है कि रॉ पर विदेशी इंटेलिजेंस जुटाने का जिम्मा है। यदि किसी देश के घटनाक्रम का भारत पर असर हो सकता है, तो रॉ उस पर नज़र रखती है। रॉ राष्ट्रहितों के लिये खुफिया ऑपरेशंस को भी अंजाम देती है। रॉ इंदिरा गांधी सरकार में अस्तित्व में आई थी।

बिहार में 17491 सहकारी समितियाँ की गई समाप्त

चर्चा में क्यों ?

20 जून, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार में 17491 सहकारी समितियों को समाप्त कर दिया गया है, जिससे राज्य में अब 25487 सहकारी समितियाँ ही रह गई हैं।

प्रमुख बिंदु

- पैक्स, डेयरी और मत्स्यजीवी सहयोग समितियों को छोड़कर राज्य में अब 8884 अन्य तरह की समितियाँ बच गई हैं। राज्य में अब सबसे अधिक 2217 हाउसिंग सोसायटी है।
- विदित है कि पूर्व में राज्य में कुल 42985 सहकारी समितियाँ थीं। इनमें लंबे समय से कई समितियाँ सक्रिय नहीं थीं। उनके माध्यम से काम नहीं हो रहा था। झारखंड और बिहार के बंटवारे के बाद कई समितियों का औचित्य ही खत्म हो गया था। इस कारण इन समितियों को बंद कर दिया गया।
- राज्य में औद्योगिक सहयोग समिति, शीत भंडार, ग्रामोदय, तेल उत्पादक, ताड़, गुड़ उत्पादक, सिंचाई सहयोग समिति, संयुक्त सहयोग कृषि, नाव यातायात, चर्मकार सहयोग तथा सर्वोदय सहयोग समिति को समाप्त कर दिया गया है।
- राज्य में अब सिर्फ आठ एससी-एसटी सहकारी समितियाँ हैं, इनमें लखीसराय-मुजफ्फरपुर में एक-एक तथा नालंदा व पटना में तीन-तीन समितियाँ हैं। दरभंगा व सीवान में एक भी महिला कल्याण समिति नहीं है। पूर्णिया में सबसे अधिक 145 महिला कल्याण समितियाँ हैं। राज्य में जूट की एक भी समिति नहीं है।
- इनके अलावा राज्य के पूर्वी चंपारण, जमुई, कटिहार, लखीसराय, नालंदा, पटना, रोहतास, सहरसा, सीतामढ़ी, वैशाली और पश्चिमी चंपारण छोड़कर किसी भी ज़िले में परिवहन समितियाँ अब नहीं हैं।
- पटना को छोड़कर राज्य में कहीं भी पर्यटन समिति नहीं है। पटना में पाँच पर्यटन समितियाँ हैं।

स्मिता कुमारी ने सेंटर स्प्लिट होल्डिंग (समकोणासन, योग) में बनाया नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

चर्चा में क्यों ?

21 जून, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार के नालंदा ज़िले के बसानपुर गांव की स्मिता कुमारी ने सेंटर स्प्लिट होल्डिंग (समकोणासन, योग) में तीन घंटे 10 मिनट और 12 सेकेंड तक योग की एक ही मुद्रा में खड़ी होकर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है।

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार 29 वर्षीय स्मिता अदाणी ग्रुप के हेल्थ केयर डिपार्टमेंट के साथ पिछले चार सालों से इन-हाउस योगा इंस्ट्रक्टर के रूप में जुड़ी हैं। गुजरात में उन्हें अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने सम्मानित भी किया।
- उन्होंने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम से अपना रिकॉर्ड सर्टिफिकेट हासिल किया।
- विदित है कि स्मिता ने ग्रेजुएशन की पढ़ाई राँची से की है। वहाँ उन्होंने मारवाड़ी कॉलेज में इकोनॉमिक्स ऑनर्स में दाखिला लिया। इसके बाद उन्होंने दिल्ली में मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान से योग विज्ञान में डिप्लोमा किया।
- इसके बाद स्मिता कुमारी वर्ष 2015-2017 में देव संस्कृति विश्वविद्यालय से एप्लाइड योग और ह्यूमन साइंस में मास्टर की पढ़ाई कर चुकी हैं।

राष्ट्रपति ने बिहार की एएनएम गायत्री कुमारी को राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार प्रदान किया

चर्चा में क्यों ?

22 जून, 2023 को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, जो सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर हैं, ने नई दिल्ली में आयोजित समारोह में बिहार की शेखपुरा ज़िले के गवय गांव स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में तैनात एएनएम गायत्री कुमारी को वर्ष 2023 के लिये 'राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल'पुरस्कार से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने समारोह में वर्ष 2022 एवं 2023 के लिये कुल 30 नर्सों को राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार प्रदान किया है।
- गायत्री कुमारी को यह पुरस्कार उनके सेवा कार्यों को देखते हुए दिया गया है। इन्होने परिवार नियोजन, टीकाकरण, कोविड-19 महामारी के दौरान योद्धा के रूप में काम करने के साथ-साथ पुरुष नसबंदी के अभियान में बेहतरीन उपलब्धि हासिल की है।
- विदित है कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 1973 में संस्थापित राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार, नर्सों और नर्सिंग प्रोफेशनलों को समाज को प्रदान की गई उनकी सराहनीय सेवाओं के सम्मानस्वरूप दिया जाता है।

नोट :

बिहार के 11 ज़िलों में खुलेंगे टॉपर्स फैक्ट्री सिमुलतला जैसे आवासीय स्कूल

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में बिहार के शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर की अध्यक्षता में सिमुलतला शिक्षा सोसाइटी की सामान्य सभा की बैठक में राज्य के 11 ज़िलों में सिमुलतला आवासीय विद्यालय की तर्ज पर नए स्कूलों की स्थापना करने का निर्णय लिया गया तथा साथ ही सिमुलतला आवासीय विद्यालय में नियमित शिक्षकों की नियुक्ति बिहार लोक सेवा आयोग के जरिये कराने का निर्णय लिया गया है।

प्रमुख बिंदु

- प्रदेश में 11 ज़िलों में सिमुलतला आवासीय विद्यालय की तर्ज पर आवासीय विद्यालय आगामी शैक्षणिक सत्र 2024 से संचालित किये जाएंगे।
- आधिकारिक जानकारी के मुताबिक शिक्षक चयन प्रक्रिया में प्रारंभिक वस्तुनिष्ठ परीक्षा कराई जाएगी। इसके बाद मुख्य परीक्षा गैर वस्तुनिष्ठ सवालों पर आधारित होगी। इसके बाद ग्रुप डिस्कशन और साक्षात्कार संग डेमो क्लास से चयन किया जाएगा।
- इन नये शिक्षकों की सेवा सिमुलतला शिक्षा सोसायटी के अधीन होगी। इस सोसाइटी के अधीन चलने वाले सभी विद्यालयों में शिक्षक स्थानांतरित हो सकेंगे।
- इसके अलावा इस बैठक में सिमुलतला विद्यालय में प्रतिनियुक्ति एवं चयन के लिये पाँच सदस्यीय समिति का गठन किया गया है।
- जानकारी के मुताबिक सिमुलतला शिक्षा सोसायटी के पटना कैंप की स्थापना की जाएगी। साथ ही सिमुलतला की अकादमिक विशेष कार्य पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया है।
- इस दौरान सोसाइटी की सामान्य सभा कार्यकारिणी समिति तथा विद्यालय प्रबंध समिति का पुनर्गठन करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा सात सदस्यीय कार्यकारिणी समिति और विद्यालय प्रबंध समिति का गठन भी कर दिया गया।

नोट :

श्रम 20 शिखर सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

- 21-23 जून, 2023 तक श्रम 20 (Labour-20) शिखर सम्मेलन का आयोजन बिहार की राजधानी पटना में किया गया। इसमें 'सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा' तथा 'महिलाएँ और फ्यूचर ऑफ वर्क' जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा की गई।

प्रमुख बिंदु

- पटना में आयोजित श्रम 20 शिखर सम्मेलन में सामाजिक सुरक्षा लाभों को आसानी से पहुँचाने की क्षमता पर जी 20 सदस्य देशों और अन्य संबद्ध देशों के बीच एक बहुपक्षीय तंत्र बनाने का संकल्प लिया गया।
- इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय अध्यक्ष हिरण्मय पंड्या ने कहा कि शिखर सम्मेलन में 'श्रमिकों के अंतर्राष्ट्रीय प्रवास- सामाजिक सुरक्षा निधियों की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आसानी से पहुँच' के बारे में कार्य बल की रिपोर्ट पर विस्तार से चर्चा की गई।
- विदित है कि अमृतसर में 18, 19 और 20, मार्च 2023 को आयोजित श्रम 20 की स्थापना बैठक में काम की दुनिया में ज्वलंत मुद्दों से संबंधित 5 टास्क फोर्स का गठन किया गया था - सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा, महिला और कार्य का भविष्य, श्रमिकों का अंतर्राष्ट्रीय प्रवास-सामाजिक सुरक्षा निधियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाने का अधिकार, कार्य की बदलती दुनिया: जी 20 देशों में रोज़गार के नए अवसर और चुनौतियाँ और कौशल विकास: हितधारकों की भूमिकाएँ और ज़िम्मेदारियाँ।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के व्यापक उपयोग पर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें श्रम उत्पादकता में वृद्धि, आय वृद्धि और बेहतर जीवन स्तर जैसे इसके सकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डाला गया।
- टिकाऊ और न्यायसंगत बदलावों के साथ तकनीकी नवाचार को सुसंगत बनाना एल 20, पटना के ड्राफ्ट नंबर 1 का प्रमुख पहलू है, जिसका पूरी तरह से अध्ययन करना और उसे नीतिगत ढाँचे से जोड़ने की आवश्यकता है।
- सम्मेलन में कहा गया कि एक त्रिपक्षीय बोर्ड की स्थापना, जिसमें सरकार, एग्रीगेटर कंपनियों और ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधि शामिल हैं, प्रभावी निर्णय ले सकते हैं और नीति निर्माण की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। यह सहयोगात्मक दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि सभी हितधारकों के नज़रिये और हितों पर विचार किया जाए, जिससे अधिक संतुलित और समावेशी कार्य वातावरण को बढ़ावा मिले।

- शिखर सम्मेलन में 'महिलाएँ और कार्य का भविष्य' विषय पर कार्य बल की रिपोर्ट पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्य बल ने निजी क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उनकी नेतृत्वकारी भूमिकाओं को बढ़ावा देने के लिये प्रोत्साहन प्रदान करने और एक सहायक वातावरण बनाने का प्रस्ताव रखा।
- सम्मेलन में टास्क फोर्स ने सिफारिश की कि वैश्विक कार्यबल को सामाजिक सुरक्षा तक पहुँचने में महत्त्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, अनौपचारिक क्षेत्र के 61 प्रतिशत श्रमिकों के पास इस तरह की कवरेज का अभाव है। इस मुद्दे को हल करने के लिये, सामाजिक सुरक्षा के तीसरे मॉडल की कल्पना करना महत्त्वपूर्ण है, जो अंशदायी और गैर-अंशदायी दोनों प्रणालियों के सिद्धांतों को जोड़ता है।
- कार्य बल ने सिफारिश की कि कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम में वैश्विक कौशल अंतर को दूर करने के लिये हरित कौशल को शामिल किया जाना चाहिये। यह सुनिश्चित करने के लिये कि एक देश में अर्जित कौशल को दूसरे देश में मान्यता प्राप्त हो, एक सामान्य योग्यता ढाँचे की आवश्यकता है।
- शिखर सम्मेलन में हुए विचार-विमर्श में ट्रेड यूनियन नेताओं और भारतीय ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ 28 देशों के श्रम विशेषज्ञों ने भाग लिया। शिखर सम्मेलन में श्रम-संबंधी मुद्दों पर भी चर्चा हुई, जो सिविल 20, महिला 20, यूथ 20 और साइंस 20 की बैठकों में उभरे।
- शिखर सम्मेलन में बिजनेस 20 के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में श्रम 20 और बिजनेस 20 के बीच एक संयुक्त वक्तव्य की व्यवहार्यता पर चर्चा की गई।

बिहार में बन रहा देश का दूसरा सबसे बड़ा हड्डी अस्पताल

चर्चा में क्यों ?

29 जून, 2023 को बिहार की राजधानी पटना के राजवंशीनगर में स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण (एलएनजेपी) हड्डी अस्पताल के निदेशक डॉ. सुभाष चंद्रा ने बताया कि हड्डी रोगियों के लिये बेड की कमी के मद्देनज़र पटना में देश के दूसरे सबसे बड़े हड्डी अस्पताल का निर्माण शुरू हो गया है, यह अस्पताल 400 बेड का होगा।

प्रमुख बिंदु

- राजधानी पटना के राजवंशीनगर में स्थित एलएनजेपी हड्डी अस्पताल में 400 बेड के अस्पताल के अलावा एक स्पाइन अस्पताल का भी निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। ऐसे में अब मरीजों को एलएनजेपी अस्पताल में ही सुपर स्पेशलिटी सुविधाएँ उपलब्ध हो सकेंगी।

- इसके बनने के बाद मरीजों को इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा, क्योंकि अब यहाँ एक छत के नीचे सभी तरह की आधुनिक सुविधाएँ मिलेंगी। जाँच से लेकर इलाज व ऑपरेशन सभी नि:शुल्क किया जाएगा।
- विदित है कि अस्पताल के शिलान्यास के करीब दो साल बाद निर्माण कार्य शुरू किया जा रहा है। दो बार टेंडर निकाला गया, लेकिन गड़बड़ियों के कारण दोनों बार टेंडर बीएमआईसीएल की ओर से रद्द कर दिया गया।
- उल्लेखनीय है कि राज्य का यह पहला और देश का दूसरा सबसे बड़ा हड्डी और स्पाइन का अस्पताल होगा। इससे बड़ा हरियाणा के गुरुग्राम में 400 से अधिक बेड वाला एक हॉस्पिटल है, जहाँ सिर्फ हड्डी और स्पाइन की इलाज की सुविधा है।
- नये अस्पताल में एक छत के नीचे सभी तरह की सुविधाएँ मरीजों को मिलेंगी। यहाँ मॉड्यूलर ओटी, सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड, डिजिटल एक्स-रे मशीन, एमआरआई, मैमोग्राफी समेत फिजियोथेरेपी के लिये आधुनिक उपकरण जैसे शार्टवेब डायथर्मी, माइक्रोवेव डायथर्मी आदि की व्यवस्था होगी।
- अस्पताल का भवन निर्माण कैंपस में उपलब्ध ज़मीन पर ही होगा। इसका निर्माण कुल 3,39551 वर्गफुट में होगा। इसके निर्माण पर 215 करोड़ रुपए खर्च होंगे।